काल और काल के भेद

काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का ज्ञान हो, उसे **काल** कहते हैं। **जैसे:** पढ़ता है, पढ़ा था, पढ़ेगा आदि।

राजू स्कूल जा रहा है।

राजू स्कूल गया था।

राजू स्कूल जाएगा।

पहले वाक्य की क्रिया से पता चलता है कि काम हो रहा है। दूसरे वाक्य की क्रिया से पता चलता है कि काम बीते समय में हो चुका है। तीसरे वाक्य की क्रिया से पता चलता है कि काम भविष्य में होगा।

काल के भेद

काल के तीन भेद होते हैं:

1. वर्तमान काल
2. भूतकाल
3. भविष्यत् काल

1. वर्तमान काल

क्रिया के जिस रूप से चल रहे समय का बोध हो उसे **वर्तमान काल** कहते हैं। **जैसे:** पढ़ता है, पढ रहा है आदि।

वर्तमान काल के तीन भेद हैं:

- **सामान्य वर्तमान काल:** वर्तमान काल की क्रिया के साधारण रूप को सामान्य वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे:

अनिल स्कूल जाता है।

राकेश पुस्तक पढ़ता है।

- **अपूर्ण वर्तमान काल:** जहाँ वर्तमान काल की क्रिया पूरी न होकर चल रही होती है उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे:

राम पत्र लिख रहा है।

अनिल स्कूल जा रहा है।

- **संदिग्ध वर्तमान काल:** जहाँ वर्तमान काल की क्रिया के होने में संदेह पाया जाए, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे:

अनिल स्कूल जाता होगा।

वर्षा होती होगी।

2. भूतकाल

क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का बोध हो उसे **भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

मैंने पत्र लिखा था।

मोहन ने गीत गाया।

भूतकाल के छः भेद हैं:

- **सामान्य भूतकाल:** जिस रूप से काम के बीते हुए समय में होना पाया जाए, उसे **सामान्य भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

श्याम ने पत्र पढ़ा।

गरिमा ने खाना खाया।

- **आसन्न भूतकाल:** जहाँ कोई काम भूतकाल में आरंभ होकर अभी-अभी समाप्त हुआ है, यह पता चले उसे **आसन्न भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

अनिल ने पाठ पढ़ लिया है।

लड़कों ने फल खाए हैं।

- **पूर्ण भूतकाल:** जिस रूप से यह पता चले कि काम भूतकाल में पूरा हो चुका है, उसे **पूर्ण भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

दिव्या ने पुस्तक पढ़ी थी।

मैं जयपुर गया था।

- **अपूर्ण भूतकाल:** जिससे यह पता चले कि काम भूतकाल में शुरू हुआ, पर पता नहीं कि वह समाप्त हुआ या नहीं उसे **अपूर्ण भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

किसान हल चला रहा था।

स्वाति पुस्तक पढ़ रही थी।

- **संदिग्ध भूतकाल:** जिस क्रिया के भूतकाल में करने या होने में संदेह पाया जाए, उसे **संदिग्ध भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

तुमने भी रामायण देखी/पढ़ी होगी।

बस चली गई होगी।

- **हेतु-हेतुमद भूतकाल:** जहाँ भूतकाल की एक क्रिया दूसरी क्रिया पर आश्रित हो, उसे हेतु-**हेतुमद भूतकाल** कहते हैं।

जैसे:

यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती।

गीता पढ़ती तो पास हो जाती।

3. भविष्यत् काल

क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय का बोध हो उसे **भविष्यत् काल** कहते हैं।

जैसे:

हम शाम को खेलेंगे।

भविष्यत् काल के दो भेद हैं:

1. **सामान्य भविष्यत्क्रि:** या के जिस रूप से कार्य के भविष्य में होने का बोध हो, उसे **सामान्य भविष्यत् काल** कहते हैं।

जैसे:

हम शाम को खेलेंगे।

अनिल पुस्तक लाएगा।

2. **संभाव्य भविष्यत्ज:** हाँ भविष्य में होने वाली क्रिया के बारे में संभावना हो, उसे **संभाव्य भविष्यत् काल** कहते हैं।

जैसे:

शायद कल वर्षा होगी

क्या मालूम सोहन शाम को आए।

क्रिया के रूप

1. **सामान्य वर्तमान काल**

पुरूष	एक वचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	मै जाता हूँ	हम जाते हैं
मध्यम पुरुष	तू जाता है	तुम जाते हो
अन्य पुरुष	वह जाता है	वे जाते हैं

2. **सामान्य भूत काल**

पुरूष	एक वचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	मैं गया	हम गए
मध्यम पुरुष	तू गया	तुम गए
अन्य पुरुष	वह गया	वे गए

3. **सामान्य भविष्यत् काल**

पुरूष	एक वचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	मैं जाऊँगा	हम जाएँगे
मध्यम पुरुष	तू जाएगा	तुम जाओगे
अन्य पुरुष	वह जाएगा	वे जाएँगे

पढ़ना क्रिया (सकर्मक)

1. **सामान्य वर्तमान काल**

पुरूष	एक वचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	मैं पढ़ता हूँ	हम पढ़ते हैं
मध्यम पुरुष	तू पढ़ता है	तुम पढ़ते हो
अन्य पुरुष	वह पढ़ता है	वे पढ़ते हैं

2. **सामान्य भूतकाल**

पुरूष	एक वचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	मैंने पढ़ा	हमने पढ़ा
मध्यम पुरुष	तूने पढ़ा	तुमने पढ़ा
अन्य पुरुष	उसने पढ़ा	उन्होंने पढ़ा

3. **सामान्य भविष्यत् काल**

पुरूष	एक वचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष	मैं पढ़ूँगा	हम पढ़ेंगे
मध्यम पुरुष	तू पढ़ेगा	तुम पढ़ोगे
अन्य पुरुष	वह पढ़ेगा	वे पढ़ेंगे

स्मरणीय तथ्य

- क्रिया के होने के समय को **काल** कहते हैं।
- **काल के तीन भेद होते हैं:** भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत काल।
- क्रिया के जिस रूप से उसके बीते हुए समय में होने का पता चलता है, उसे **भूतकाल** कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से उसके उसी समय में होने का पता चलता है, उसे **भविष्यत काल** कहते हैं।